मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

MSK–002

स्नातकोत्तर कला उपाधि (संस्कृत)

(एम.एस.के.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

एम.एस.के.–002 : व्याकरण

समय : 3 घण्टे अधिकतम अंक : 100

नोट : *सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न के 10 अंक हैं।*

---

1. 'रामाय' पद की सम्बद्ध सूत्रोल्लेखपूर्वक सिद्धि-प्रक्रिया स्पष्ट कीजिए। 10

अथवा

'हरीणाम्' पद की सम्बद्ध सूत्रोल्लेखपूर्वक सिद्धि-प्रक्रिया स्पष्ट कीजिए।

2. 'नदी' शब्द के सभी विभक्तियों में रूप लिखिए। 10

अथवा

'अस्मद्' शब्द के सभी विभक्तियों में रूप लिखिए।

3. 'तस्मिन्निति निर्दिष्टे पूर्वस्य' सूत्र की व्याख्या उदाहरण सहित कीजिए। 10

अथवा

पितरौ की सिद्धि-प्रक्रिया सम्बद्ध सूत्रोल्लेखपूर्वक स्पष्ट कीजिए।

4. 'बलिं याचते वसुधाम्' यहाँ बलिम् पद में विद्यमान विभक्ति के विधायक सूत्र का उल्लेख करते हुए उक्त उदाहरण वाक्य को स्पष्ट कीजिए। 10

अथवा

'धावतः अश्वात् पतति' यहाँ अश्वात् पद में विभक्ति के विधायक सूत्र का उल्लेख करते हुए उसे स्पष्ट कीजिए।

5. (क) 'भवन्ति' **अथवा** 'भवेत्' की सिद्धि-प्रक्रिया को सम्बद्ध सूत्रोल्लेखपूर्वक स्पष्ट कीजिए। 5

(ख) 'भू' धातु के लट्, लुङ् और लोट् लकारों के सभी रूप लिखिए। 5

6. (क) 'धातोरेकाचो हलादेः क्रियासमभिहारे यङ्' **अथवा** 'अज्झनगमां सनि' सूत्र की व्याख्या कीजिए। 5

(ख) 'कर्तृकरणयोस्तृतीया' **अथवा** 'कर्तृकर्मणोः कृति' सूत्र की व्याख्या कीजिए। 5

7. (क) 'हेतुमति च' **अथवा** 'आतोऽनुपसर्गे कः' सूत्र की व्याख्या कीजिए। 5

(ख) 'अचो यत्' **अथवा** 'स्त्रीभ्यो ढक्' सूत्र की व्याख्या कीजिए। 5

8. (क) 'अधिशीङ्स्थासां कर्म' **अथवा** 'यतश्च निर्धारणम्' सूत्र की व्याख्या कीजिए। 5

(ख) 'एधिता' **अथवा** 'ऐधिष्यत' की सिद्धि-प्रक्रिया को सम्बद्ध सूत्रोल्लेखपूर्वक स्पष्ट कीजिए। 5

9. 'मतुप्' प्रत्यय **अथवा** 'शानच्' प्रत्यय को वाक्य में प्रयोग के द्वारा स्पष्ट कीजिए। 10

10. 'सुपः आत्मनः क्यच्' **अथवा** 'दीर्घोऽकितः' सूत्र की सोदाहरण व्याख्या कीजिए। 10

× × × × ×